Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding problem facedby Tea garden workers of North Bengal Tea garden plantation.

श्रीमतीलॉकेटचटर्जी (हुगली): माननीयअध्यक्षजी, आजमैंइससदनमेंनॉर्थ-बंगालकेटी-गार्डनकेगंभीरविषयकोउठानाचाहतीहूं ।बंगालमेंटी-गार्डनजोसबसेबड़ाउद्योगथा, आजवहसबसेबड़ीमुसीबतहोगयाहै ।तीनलाखसेज्यादाश्रमिकउसमेंकामकरतेहैंऔर 20 लाखसेज्यादालोगचायबागानसेजुड़ेहुएहैं ।टोटलनॉर्थ-बंगालमें 300 चायबागानहैंऔरउसमें 200 चायबागानबंदहोगएहैं ।अभीजोश्रमिकहैं, उनको 176 हजीरामिलताहै, लेकिनजोप्लांटेशनलेबरएक्टहै, उसमेंजोमिलताहै, वहश्रमिकलोगोंतकनहींपहुंचताहै ।राशन, दवाई, जूते, पीनेकापानीऔरघरकुछभीनहींमिलताहै ।वेकहतेहैंकियहसारापैसाटी-गार्डनकेमालिककोजाताहै, नहींतोसरकारकेजोदलालहैं, उनकेपासजाताहै ।अभीमैंकुछदिनपहलेवहांगईथी, उन्होंनेबतायाकि 150 से 200 सालसेइनश्रमिकलोगोंकेपरिवारइनचायबागानोंमेंबहुतमेहनतकरतेआएहैंलेकिनमालिकबदलजाताहैऔरजोश्रमिक 200 सालसेमेहनतकरतेआरहेहैं, उनकेपासअपनीजमीनभीनहींहै ।उनकाअपनामकानभीनहींहै । सबलोगोंकोघरदेतेहैंलेकिनटी-गार्डनवालेश्रमिकोंकोकुछभीनहींदेतेहैं ।

अभीजबपूजाकासमयआताहै, जबप्रोविडेंटफंडऔरसैलरीकाटाइमआताहै, तोमालिकलोगभागजातेहैं । उसकेबादजोश्रमिकलोगहैं, रास्तेमेंआकरआंदोलनकरकेअपनीआवाजउठातेहैं, तबपुलिसलोगआकरश्रमिकोंकोपकड़लेतीहैऔरउनपरकेसदर्जकरदेतेहैं । लेकिनमालिकोंकोनहींपकड़तेहैंक्योंकिमालिककेसाथप्रशासनकापूराकनैक्शनहोताहै ।इसकीवजहसेदार्जिलिंग, जलपाईगुढ़ीऔरअलीपुरद्वारमेंह्यूमनट्रैफिकिंगकेकेससबसेज्यादाबढ़गएहैं । येलोगदूसराकामढूंढ़नेकेलिएदूसरेशहरमेंचलेजातेहैंऔरखराबकाममेंइनवॉल्वहोजातेहैं । महिलाश्रमिकसबसेज्यादाटी-गार्डनमेंहैं ।ह्यूमनट्रैफिकिंगज्यादाहोतीहै, इसलिएहमलोगचाहतेहैंकिटी-गार्डनमेंएकहाइ-पॉवर्डकमेटीहोनीचाहिएजिससेतथ्योंकापताचलसकेऔरउसकमेटीमेंटी-गार्डनऔरटी-बोर्डकाएक-एकजनप्रतिनिधिहोनाचाहिएऔरयूनियनकाभीएकजनप्रतिनिधिहोनाचाहिएजिससेटी-गार्डनकीजोसमस्याएंहैं, उनकोदूरकरसकें ।

माननीयअध्यक्ष : श्रीकुलदीपरायशर्माकोश्रीमतीलॉकेटचटर्जीद्वाराउठाएगएविषयकेसाथसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।